प्रिय, मानव जाति को सभी पापों से शुद्ध करने के लिए यीशु मसीह का खून एक बार बहाया गया था। वह धर्म और परंपरा नहीं बल्कि पापों की क्षमा और आत्माओं का उद्धार है। अपने पापों का पश्चाताप करें। प्रार्थना के माध्यम से उसे अपने व्यक्तिगत भगवान और उद्धारकर्ता के रूप में अपने दिल में आमंत्रित करें। और अब दोषी न ठहरें। उसके द्वारा स्वर्ग की ओर अपना मार्ग बनाओ। हल्लिलूय्याह! क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने नहीं भेजा उसका पुत्र जगत में इसलिये आया कि जगत को दोषी ठहराए, परन्तु उसके द्वारा जगत का उद्धार करे।"
(यूहन्ना का सुसमाचार 3:16-17)